RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार, 29 नवंबर 2022 वर्ष 04 अंक 192 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

## बीएमसी चुनाव से पहले

# राज ठाकरे के तेवर हुए नर्म

### BJP नेताओं को निशाने पर लेने से कर रहे परहेज

**मुंबई :** बीएमसी चुनाव से पहले पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी द्वारा रेलवे आंदोलन, जिसके परिणामस्वरूप उत्तर भारतीयों पर हमले हुए की व्याख्या हिंदी मीडिया द्वारा गलत ढंग से की गई। ठाकरे ने यह भी कहा कि इस आंदोलन में उत्तर प्रदेश और बिहार शामिल थे लेकिन यह आंदोलन यूपी और बिहार से परीक्षा देने आए छात्रों के खिलाफ नहीं था। ऐसा प्रतीत होता है कि ठाकरे यूपी पर नरम पड़ रहे हैं लेकिन बिहार की आलोचना करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं जहां नीतीश कुमार ने बीजेपी को धोखा दिया है।

**राज ठाकरे ने पार्टी कार्यकताओं को किया संबोधित**

आगामी मुंबई बीएमसी चुनाव से पहले मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को अपनी पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित किया। अपने भाषण के दौरान राज ठाकरे ने वीर सावरकर पर उनकी टिप्पणियों पर राहुल गांधी की आलोचना करने से लेकर उनके चचेरे भाई उद्धव ठाकरे को निशाना बनाने और उनके स्वास्थ्य के बारे में मजाक उड़ाने तक कई विषयों पर बात की। ठाकरे ने राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी पर भी निशाना साधा और राकांपा सांसद सुप्रिया सुले पर अपमानजनक टिप्पणी के लिए कैबिनेट मंत्री अब्दुल सत्तार की भी आलोचना की।

कई लोगों को इस तथ्य से आश्चर्य हुआ कि 2008 के एमएनएस आंदोलन का जिक्र करते हुए राज ठाकरे ने कहा कि आंदोलन उत्तर के खिलाफ नहीं था। यह उन लोगों के खिलाफ था जो महाराष्ट्र की मिट्टी के लाल के अवसरों को छीनने आए थे। राज यह भी बताना नहीं भूले कि रेलवे आंदोलन के दौरान जिन लोगों पर हमला हुआ वे सिर्फ बिहार से आए थे, उत्तर प्रदेश से नहीं। ठाकरे ने यह भी बताया कि मनसे पार्टी के कार्यकताओं और उन छात्रों के बीच लड़ाई 2008 में हुई थी क्योंकि छात्रों में से एक ने मनसे पार्टी कार्यकर्ता के साथ दुर्व्यवहार किया था। जहां मनसे प्रमुख राज ठाकरे उत्तर प्रदेश और बिहार पर अपने विचारों के बारे में मुखर रहे हैं, वहीं उनके विचारों में बदलाव को भाजपा के करीब जाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

# मनी लान्ड्रिंग मामले में पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के बेटे की जमानत अर्जी मंजूर

मुंबई : मुंबई की एक विशेष अदालत ने सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के बेटे ऋषिकेश देशमुख को मनी लान्ड्रिंग के एक मामले में जमानत दे दी। प्रिवेंशन आफ मनी लान्ड्रिंग एक्ट से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए ऋषिकेष देशमुख एक विशेष अदालत में आज पेश हुए, जिसके बाद उनकी जमानत मंजूर कर ली गई। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मामले में अपनी शिकायत यानी कि चार्जशीट दायर करने के बाद अदालत ने इस साल फरवरी में ऋषिकेश को समन जारी किया था।

**ED ने चार्जशीट में ऋषिकेश को बनाया था आरोपी**

बता दें कि ED द्वारा दायर चार्जशीट में ऋषिकेश को आरोपी बनाया गया था। अदालत में पेश होने के बाद, ऋषिकेश ने अपने वकील अनिकेत निकम के माध्यम से जमानत अर्जी दायर की थी, जिसके बाद कोर्ट ने उनकी अर्जी स्वीकार कर ली।

### जबरन वसूली के आरोपों में जेल में पूर्व मंत्री अनिल देशमुख

बता दें कि ED ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह द्वारा लगाए गए जबरन वसूली के आरोपों पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मामला दर्ज किए जाने के बाद अनिल देशमुख के खिलाफ अपनी जांच शुरू की। जांच एजेंसी ने दावा किया कि पूर्व मंत्री ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया और मुंबई के विभिन्न बार और रेस्तरां से 4.70 करोड़ रुपये जमा किए। मालूम हो कि ये पैसा देशमुख परिवार द्वारा नियंत्रित नागपुर में स्थित शैक्षिक ट्रस्ट श्री साईं शिक्षण संस्थान को दिया गया था। हालांकि इस मामले में अनिल देशमुख को जमानत दे दी गई है, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोप में सीबीआई द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मामले में वह अभी भी जेल में हैं।

# नवी मुंबई के होटल में 12 लोगो ने मिल कर दो शख्स को जमकर पीटा, सिर पर तोड़ा प्लेट

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र के नवी मुंबई के कोपर खैरने स्थित एक होटल में चौंका देने वाली घटना सामने आई है, जिसका CCTV फुटेज अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल हुआ यह कि नवी मुंबई के कोपर खैराने स्थित एक होटल में एक टेबल पर दो और साइड टेबल पर 12 लोग बैठे थे। उसके कुछ देर बाद 12 सदस्यीय गिरोह में से एक का फोन आया तो वे चिल्लाने लगे और गाली-गलौज करने लगे। ऐसे में तभी किनारे बैठे दो लोगों ने शोर-शराबे और गाली-गलौज पर आपत्ति जताई। उन्होंने इसका विरोध किया, इस विरोध के चलते शुरू में उनके बीच बहस हुई और बहस इतनी बढ़ गई। ऐसे में गली गलौज का विरोध करने पर दोनों पर 12 लोगों ने हमला किया, जिसका वीडियो देख यूजर्स भी दंग है।

**गाली गलौज का विरोध करने पर पिटाई**

घटना के बारे में मिली जानकारी के मुताबिक नवी मुंबई के कॉपर खैरने स्थित एक होटल में हैरान कर देने वाली स्थिति सामने आई है। जी हां नवी मुंबई के कोपर खैराने स्थित एक होटल में एक टेबल पर दो और साइड टेबल पर 12 लोग बैठे थे।12 सदस्यीय गिरोह में से एक का फोन आया तो वे चिल्लाने लगे और गाली-गलौज करने लगे। तभी किनारे बैठे दो लोगों ने शोर-शराबे और गाली-गलौज पर आपत्ति जताते हुए पीछे हट गए।

**चैन और मोबाइल फोन छीना**

उन्होंने इसका विरोध किया, शुरू में उनके बीच बहस हुई और बहस इतनी बढ़ गई। उन बारह आदमियों ने उन दोनों पर हमला किया। इतना ही नहीं बल्कि होटल में कुर्सियों, खाने की प्लेट और बीयर की बोतलों से हमला कर सिर पर वार किया। इस पिटाई के दौरान 12 में से कुछ लोगों ने उनके गले से चैन और मोबाइल फोन भी छीन लिया।

मार पीट की घटना होटल में सीसीटीवी में कैद-खाना खाते खाते मार पिट शुरू८मारपीट करने के बाद चैन और मोबाइल फोन लूटने के बाद आरोपी फरार हो गया। आपको बता दें कि इन सभी 12 आरोपियों के खिलाफ धारा 395, 397 और 506 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मारपीट की पूरी घटना होटल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

### इस मामले में अनिल देशमुख को मिल चुकी है जमानत

पूर्व गृह मंत्री के बेटे ऋषिकेश ने अपने आवदेन में बताया कि एऊ के मामले में आरोप जनवरी 2020 से अप्रैल 2021 तक तत्कालीन गृह मंत्री के रूप में उनके पिता द्वारा चूक और कमीशन के कथित कृत्यों तक ही सीमित है। याचिका में कहा गया कि पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को बाम्बे हाई कोर्ट ने मामले में पहले ही जमानत दे दी है।

## संपादकीय / लेख

# पहली जिम्मेदारी!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस समारोह में कही प्रधानमंत्री की इस बात से सहमत हुआ जा सकता है कि राष्ट्र की उन्नति के लिये नागरिक दायित्वों का बोध हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। सही मायनों में समर्पण और ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन ही हमारे अधिकारों को समृद्ध करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो कर्तव्य पालन ही हमारे अधिकारों के संरक्षण का मार्ग प्रशस्त करता है। ईमानदारी से कर्तव्य पालन ही एक सशक्त राष्ट्र की सशक्त बुनियाद निर्मित करता है। दुनिया का इतिहास बताता है कि जिस भी देश में नागरिकों में कर्तव्य बोध ऊंचे दर्जे का था, उसने आशातीत उन्नति की। जापान के नागरिकों का अव्वल दर्जे का कर्तव्यबोध दुनिया में एक मिसाल बना है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना के पहले तीन शब्द ह्यवी द पीपलह्ण यानी हम लोग शब्द कहीं न कहीं हमारे कर्तव्य बोध को ही दशार्ते हैं। जो हमें बताते हैं कि हम तमाम संकीर्णताओं और निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सरोकारों को प्राथमिकता दें। विडंबना यह है कि हम बार-बार अपने अधिकारों की दुहाई तो देते हैं मगर अपने कर्तव्यबोध से मुंह फेर लेते हैं। जबकि सार्वजनिक जीवन में यदि हम इस कर्तव्य भावना का पालन करें तो लोकतंत्र की तमाम विसंगतियां दूर हो सकती हैं। लोकतंत्र में लोकतांत्रिक ढंग से अपनी मांग रखना हमारा अधिकार है, लेकिन जहां हम कानून की सीमाओं का उल्लंघन कर्तव्य दायित्वों से विमुख होकर करते हैं, वहीं जटिल समस्याओं का जन्म होता है। आंदोलनों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना हमारे कर्तव्य दायित्वों से विमुख होने का ही पर्याय है।

निस्संदेह, एक सशक्त व समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिये नागरिकों में कर्तव्यबोध अपरिहार्य शर्त है। यह जरूरत जीवन के हर क्षेत्र में है। अब चाहे यातायात का मसला हो या सार्वजनिक जीवन में आम व्यवहार हो। अपने दायित्वों से विमुख होकर किया गया हमारा कोई भी व्यवहार किसी दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का अतिक्रमण कर रहा होता है। कमोबेश ऐसी ही सोच कालांतर कानून-व्यवस्था की समस्या को जन्म देती है। ये कर्तव्य हमें एक आदर्श नागरिक का जीवन जीने को प्रेरित करते हैं। जो हमें इस बात का भी अहसास कराते हैं कि ईमानदारी से टैक्स देने और सार्वजनिक सेवाओं का उपयोग करते हुए हमें ईमानदार रहना चाहिए।

यह जानते हुए कि हमारे द्वारा दिये गये किसी भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर से मिली जमापूंजी देश में विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। करों से अर्जित आय से बेहतर संरचनात्मक विकास, स्कूलों, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक सेवाओं का विस्तार होता है। इसके लिये जरूरी है कि हमारे व्यक्तिगत हित राष्ट्रीय हितों की सीमाओं का अतिक्रमण न करें। यह कर्तव्यबोध हमारी बस या रेल यात्रा और सार्वजनिक जीवन व्यवहार में भी होना चाहिए। चलते वाहनों से खान-पान की वस्तुओं का कचरा सड़क पर बिखरेने जैसी छोटी बातों से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे बड़े मुद्दों में हमारा कर्तव्यबोध नजर आना चाहिए। निस्संदेह समाज में हर तरह के अपवाद हर दौर में रहते हैं, जिसमें निहित स्वार्थी तत्व राष्ट्रीय हितों के बजाय व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देते नजर आते हैं।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

## गहराने लगा कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद

# मुख्यमंत्री बोम्मई ने की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर हंगामा जारी है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने अपनी नई दिल्ली यात्रा से पहले राज्य के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय आपात बैठक की अध्यक्षता की। कर्नाटक के सीएम बोम्मई ने रविवार रात शीर्ष कैबिनेट मंत्रियों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ बैठक की अध्यक्षता की, जहां उन्होंने सूत्रों के अनुसार, रणनीति के साथ-साथ कानून और संविधान के प्रावधानों पर चर्चा की।

गौरतलब है कि यह बैठक 30 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद पर आगामी सुनवाई के मद्देनजर हुई है। बता दें कि सीएम बोम्मई आज शाम को राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होंगे और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और शीर्ष अधिवक्ताओं के साथ बैठक करेंगे। मीडिया को संबोधित करते हुए, सीएम बोम्मई ने कहा, ''मैं आज नई दिल्ली के लिए रवाना हो रहा हूं, जहां मैं जेपी नड्डा और वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी से मामले से जुड़ी हर चीज के बारे में विस्तार से बात करूंगा। मैं बाद में पीयूष गोयल से भी मिलूंगा।'' गौरतलब है कि सीमा रेखा दशकों पुरानी है, महाराष्ट्र बेलगावी (पूर्व में बेलगाम) के विलय पर इस आधार पर जोर दे रहा है कि जिले में मराठी भाषी आबादी काफी है जबकि कर्नाटक ने इस दावे को खारिज कर दिया है।

**सीमा विवाद को लेकर महाराष्ट्र बनाम कर्नाटक के नेता**

सोमवार को बसवराज बोम्मई ने कहा कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और कर्नाटक के वरिष्ठ वकीलों की कानूनी टीम का गठन किया था, जो शीर्ष अदालत के समक्ष आने वाले सीमा विवाद मामले से निपटने के लिए थी। इसके बाद, महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को कैबिनेट सदस्यों चंद्रकांत पाटिल और शंभूराज देसाई को कर्नाटक के साथ सीमा विवाद पर एक अदालती मामले के संबंध में कानूनी टीम के साथ समन्वय करने के लिए नोडल मंत्री नियुक्त किया।

मंगलवार को, बोम्मई ने कहा कि महाराष्ट्र के जाट तालुका में पंचायतों ने अतीत में कर्नाटक में विलय के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था जब गंभीर सूखे की स्थिति और गंभीर पेयजल संकट था। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार ने पानी उपलब्ध कराकर उनकी मदद करने के लिए योजनाएं विकसित की हैं।

# महाराष्ट्र के दो मंत्री 3 दिसंबर को करेंगे बेलगावी का दौरा

### सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का इंतजार करें दोनों राज्य: फडणवीस

**मुंबई :** महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद के मद्देनजर सूबे के दो मंत्री चंद्रकांत पाटिल और शंभुराज देसाई 3 दिसंबर को कर्नाटक के बेलगावी का दौरा करेंगे। यह निर्णय सोमवार को महाराष्ट्र - कर्नाटक सीमा विवाद के लिए गठित की गई कैबिनेट की उपसमिति की बैठक में लिया गया है। बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों को बताया कि इस मामले में दोनों राज्यों को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का इंतजार करना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा भी रखना चाहिए। इस विषय पर अनायास बयानबाजी से दोनों राज्यों को नुकसान हो रहा है। चंद्रकांत पाटिल ने बताया कि आज की बैठक में तय किया गया है कि कर्नाटक के मराठी बहुल बेलगांवी इलाके में राज्य के दो मंत्री जाएंगे और वहां रहने वालों से चर्चा करेंगे। उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया जाएगा। उनके साथ मंत्री शंभू राजे देसाई भी रहेंगे।

दरअसल, 1956 में भाषा आधारित राज्यों के पुनर्गठन के समय मराठी भाषी बेलगांवी सहित कई गांव कर्नाटक में चले गए। बेलगांवी के मराठी भाषी महाराष्ट्र में शामिल होने के लिए पुनर्गठन के समय से आंदोलन कर रहे हैं। इसलिए सीमा विवाद का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। पिछले सप्ताह इस मुद्दे पर दोनों राज्यों की ओर बयानबाजी की गई थी, जिससे सीमावर्ती इलाकों में बसों की तोड़-फोड़ की गई थी और तनाव फैल गया था। इसके बाद कर्नाटक के गृह सचिव ने महाराष्ट्र के गृहविभाग से चर्चा कर महाराष्ट्र में रहने वाले कन्नडवासियों को समुचित सुरक्षा देने की मांग की थी। इस समय दोनों राज्यों के बीच बस सेवा बहाल कर दी गई है। महाराष्ट्र के मंत्री कर्नाटक के मराठी बहुल बेलगांवी इलाके में जाकर उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास करेंगे।

# महाराष्ट्र राज्यपाल कोश्यारी ने जताई अपना पद छोड़ने की इच्छा, गृह राज्य लौटने का बनाया मन

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने अपने करीबियों से अपना पद और जिम्मेदारी से मुक्त होने की इच्छा जाहिर की है. विवादास्पद टिप्पणियों के चलते मचे बवाल आहत कोश्यारी अपने गृह राज्य उत्तराखंड वापस लौटना चाहते हैं. इस बात की जानकारी उनके करीबी सूत्रों से मिली है. महाविकास अघाड़ी, बीजेपी सांसद उदयन राजे भोसले और राज्य में सत्तारूढ़ बीजेपी के पूर्व सांसद संभाजीराजे छत्रपति के बढ़ते दबाव के बीच राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी बैकफुट पर नजर आ रहे हैं.

महाराष्ट्र में गर्वनर भगत सिंह कोश्यारी के शिवाजी महाराज पर दिए गए बयान पर विवाद के बाद सूत्रों के हवाले से ये खबर सामने आई है कि वो अपना पद छोड़कर वापस अपने गृह राज्य उत्तराखंड जाना चाहते हैं. दरअसल, शिवाजी महाराज पर दिए गए उनके बयान के बाद उन्हें चौतरफा आलोचना का सामना करना पड़ रहा है. एसनसीपी प्रमुख शरद पवार ने भी कोश्यारी के कमेंट को लेकर तीखी टिप्पणी की. शरद पवार ने कहा कि राज्यपाल ने सारी हदें पार कर दी हैं. उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने की गुजारिश की.

**बीजेपी सांसद ने भी दर्ज की आपत्ति**

विपक्ष के अलावा राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को उनके बयान को लेकर कड़ी आलोचना का झेलनी पड़ी है. बीजेपी सांसद छत्रपति उदयनराजे भोसले गांव ने भी राज्यपाल कोश्यारी के बयान पर आपत्ति जताई है. उन्होंने कहा कि राज्यपाल को दिल्ली तलब किया गया है. उन्होंने राज्यपाल को उनके पद से हटाए जाने की संभावना भी जताई थी.

## लखनऊ की अचानक 25 फीट नीचे धंस गई पॉश इलाके की सड़क... लोगों ने ट्विटर पर लिए मजे

**लखनऊ :** राजधानी लखनऊ की सड़कों की हालत आमतौर पर बारिश के मौसम में चर्चा के केंद्र में आती हैं जब जगह-जगह जलभराव और सड़कों पर बने गड्ढों के कारण हादसे होते हैं पर सोमवार को शहर के सबसे पॉश इलाके माने जाने वाले विकास नगर के लोहिया नगर वार्ड की एक सड़क धंस गई। सड़क में करीब 25 फीट का गड्ढा हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आसपास बैरीकेडिंग कर दी है पर समय-समय पर होने वाली इन घटनाओं से पता चलता है कि निर्माण कार्य कितना खोखला किया गया है। अच्छी बात रही कि जान माल की क्षति नहीं हुई है।

# स्कूलों में दाखिला लेने वाले २ करोड़ छात्रों में से ८ फीसदी से अधिक के पास आधार कार्ड नहीं- रिपोर्ट

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र के सरकारी और सरकार द्वारा सहायता प्राप्त स्कूलों में दाखिला लेने वाले 2 करोड़ 33 लाख 13 हजार 762 बच्चों में से 19 लाख 55 हजार 515 (8.38%) बच्चों के पास आधार कार्ड नहीं है. राज्य सरकार द्वारा हाल ही में जारी आंकड़े से यह पुष्टि हुई है. वहीं जिन 2 करोड़ 13 लाख 58 हजार 247 बच्चों के पास आधार कार्ड हैं उनमें से 40 लाख 1 हजार 250 आधार कार्ड अमान्य हैं. ऐसे छात्रों का पंजीकरण भी आधार कार्ड न होने वाले छात्रों की तरह मान्य नहीं माना जाएगा.

**स्कूलों के लिये खड़ी हुई परेशानी**

शिक्षक अनुमोदन प्रक्रिया से पहले सरकार द्वारा जारी यह डेटा कई स्कूलों के लिए चिंता का विषय बन गया है. दरअसल प्रत्येक स्कूलों में टीचरों के पद स्कूलों में नामांकित छात्रों की संख्या के आधार पर हैं. चूंकि अब केवल वैध आधार कार्ड वाले छात्रों को ही पंजीकृत माना जाएगा इसलिए अब शिक्षकों की स्कूलों में नियुक्ति के दौरान भी इस गणना को ध्यान में रखा जायेगा. आंकड़ों के मुताबिक 91 प्रतिशत छात्रों

के पास आधार नामांकन है और इसमें से 18 प्रतिशत अमान्य है.

**किसी में नाम गलत तो किसी में जन्म तिथि और पता**

इस मुद्दे पर महाराष्ट्र हेडमास्टर्स एसोसिएशन के प्रवक्ता महेंद्र गणपुले ने कहा कि जो आधार कार्ड अमान्य हैं उनमें किसी के नाम में गलती है, किसी की जन्मतिथि गलत है तो किसी की बाकी डिटेल गलत है. चूंकि अभिभावकों ने इसे ठीक करने की इच्छा नहीं दिखाई इसलिए अब स्कूलों को इन गलतियों को ठीक करने की जिम्मेदारी लेनी पड़ रही है. उन्होंने कहा कि स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती के साथ साथ जनवरी 2023 से मिड डे मील योजना को भी आधार से जोड़ा जा रहा है.

**इन जिलों में पंजीकृत हुए सबसे अधिक छात्र**

जिलेवार आंकड़ों की बात करें तो पुणे के स्कूलों में पंजीकृत हुए 21 लाख 13 हजार 564 छात्रों में से 18 लाख 3 हजार 893 बच्चों के पास आधार कार्ड है, लेकिन इनमें से 17 प्रतिशत अमान्य हैं. वहीं दूसरे स्थान पर थाणे है. थाणे में पंजीकृत 17 लाख 55 हजार 388 में से 15 लाख 23 हजार 235 बच्चों के पास आधार है लेकिन इनमें से 16 प्रतिशत के आधार अमान्य हैं. इसके बाद नासिक और चौथे नंबर पर मुंबई है. वहीं बिना आधार कार्ड वाले 3 लाख 9 हजार 671 बच्चों के साथ पुणे प्रथम स्थान पर है. उसके बाद दूसरे, तीसरे व चौथे नंबर पर ठाणे, मुंबई व औरंगाबाद हैं. वहीं, स्कूल शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इन्हीं जिलों में सबसे अधिक छात्र स्कूलों में पंजीकृत हुए हैं. उन्होंने कहा कि स्टूडेंट पोर्टल पर अमान्य आधार को अपडेट करने के लिए स्कूलों को 12 दिसंबर तक का समय भी दिया गया है.

## बॉक्स ऑफिस पर पहले वीकएंड पर ही 'भेड़िया' ने टेके घुटने...

### 'दृश्यम 2' के दूसरे वीकएंड से भी कम रही कमाई!

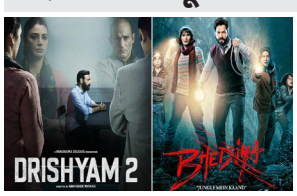


बॉक्स ऑफिस पर लगातार अपनी चमक खोते जा रहे अभिनेता वरुण धवन की बीते शुक्रवार रिलीज फिल्म 'भेड़िया' के पहले सप्ताहांत के कलेक्शन ने हिंदी सिनेमा में फिर से खतरे की घंटी बजा दी है। ये फिल्म न सिर्फ अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म 'दृश्यम' के दूसरे वीकएंड कलेक्शन से भी पीछे रही, बल्कि इसका कलेक्शन खुद वरुण धवन की पहले फ्लॉप हो चुकी फिल्मों से भी कम रहा। सिर्फ वरुण धवन की फिल्मों की बात करें तो पहले वीकएंड कलेक्शन के मामले में फिल्म 'भेड़िया' की गिनती उनकी टॉप 10 फिल्मों में भी नहीं हो पाई है। निर्देशक अमर कौशिक की फिल्म 'भेड़िया' 25 नवंबर को रिलीज हुई और इस दिन इसकी ओपनिंग सिर्फ 7.48 करोड़ रुपये रही। फिल्म के मेकिंग और प्रचार बजट की 10 फीसदी रकम तक भी नहीं पहुंच पाने वाली इस फिल्म के अगले दो दिन और खराब रहे। शनिवार को फिल्म सिर्फ 9.57 करोड़ रुपये और रविवार को 11.50 करोड़ रुपये ही कमा सकी। जानकारी के मुताबिक इस तरह से फिल्म 'भेड़िया' का सभी भाषाओं को मिलाकर पहले वीकएंड का कुल कलेक्शन सिर्फ 28.55 करोड़ रुपये ही हो सका। करीब 65 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म पर 15 से 20 करोड़ रुपये प्रचार और सिटी टूर पर भी खर्च होने की बात कही जा रही है। फिल्म 'भेड़िया' पहले वीकएंड में ही बॉक्स ऑफिस पर हिट हो चुकी फिल्म 'दृश्यम 2' के आगे घुटने टेक चुकी है। जबकि फिल्म 'दृश्यम 2' का ये दूसरा हफ्ता था। पहले हफ्ते में 104.66 करोड़ रुपये कमा चुकी फिल्म 'दृश्यम 2' ने दूसरे हफ्ते के पहले तीन दिनों में 38.77 करोड़ रुपये कमाई की है।

## 'सस्ती वाली साड़ी भी पहन लेती तो देखने लायक होता..., बिकिनी पहनने पर ऐसे ट्रोल हुईं नेहा भसीन

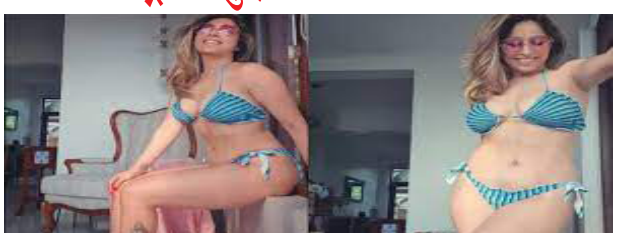

बॉलीवुड सिंगर नेहा भसीन ने अपनी सुरीली आवाज और एक से बढ़कर एक हिट गानों के जरिए अपनी खूब पहचान बनाई है. इसके अलावा वो सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज और वीडियो की वजह से भी काफी छाई रहती हैं. वो अक्सर ही अपनी बोल्ड फोटोज और वीडियोज शेयर कर काफी चर्चाएं बटोरती रहती हैं. हालांकि कई बार उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ जाता है. एक बार फिर कुछ ऐसा ही हुआ है. नेहा भसीन ने हाल ही में इंस्टाग्रम पर एक वीडियो शेयर की है, जिसमें वो बिकिनी लुक में नजर आ रही हैं. वीडियो में देखा जा सकता है कि वो अपने घर में वॉक करती दिख रही हैं और बिकिनी लुक फ्लॉन्ट कर रही हैं. इस वीडियो के अलावा नेहा ने इसी लुक में कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं. नेहा भसीन के इस पोस्ट पर लोगों के काफी नेगेटिव रिएक्शन आ रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, ''बस यही रह गया है करने को, काम तो कुछ है नहीं करने के लिए.'' एक दूसर यूजर ने लिखा, ''एक सस्ती वाली साड़ी भी पहन लेती तो देखने लायक होता..लाइक के लिए कुछ भी, शर्म नाम कोई चीज ही नहीं है.'' नेहा के पोस्ट पर इस तरह के कई रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं. एक दूसरे यूजर ने लिखा,''सिंगर को ये सब सूट नहीं करता है.'' नेहा सोशल मीडिया पर अक्सर ही अपने लुक्स को लेकर सुर्खियां का हिस्सा रहती हैं. बता दें, उन्होंने हाल ही में अपना 40वां जन्मदिन मनाया है.

## क्विक न्यूज

### साइक्लिंग के इतिहास में आयकर निरीक्षक ने रचा एक नया इतिहास

**बरेली।** प्रसिसी साइकिल चालक क्लब आडेक्स क्लब पेरिसियन के अखिल भारतीय संगठन ऑडेक्स इण्डिया रैडोन्यूर्स ए आई आर द्वारा आयोजित बी आर एम ( ब्रेवेट रैडोनियर्स मोंडियाक्स) गैर प्रतिस्पर्धी लंबी दूरी की साइक्लिंग प्रतियोगिता में लगभग 315 किलोमीटर की दूरी 19 घंटे में पूरी कर विजय प्राप्त की। जैसा कि आपको पता है कि 6 नबंवर को आयोजित इस प्रतियोगिता में 200 किलोमीटर 12रू30 घंटे में चलाकर विजय प्राप्त की थी। 52 वर्षीय आयकर निरीक्षक 15 नबंवर से 19 नबम्बर तक बरेली से कुल 823 किलोमीटर की साइकिल यात्रा की थी। बरेली के साइक्लिंग के इतिहास में पचास वर्ष के ऊपर अभी तक इतना साइकिल चलाकर प्रतियोगिता जितना पहली बार अंकित हो रहा है। लगभग एक वर्ष में कुल 5000 किलोमीटर की साकिल यात्रा कर चुके रवीन्द्र सिंह बताते हैं कि साइकिल चलाने का उद्देश्य स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं भारतीय एकता है।यह महत्वपूर्ण बात है कि आयकर विभाग में अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करते हुए प्रधानमंत्री के सपनों को साइक्लिंग के द्वारा समाज को एक संदेश देने का कार्य कर रहे हैं।

### प्रेमिका से मिलने गए युवक की पीट-पीटकर हत्या

**बरेली** ।दोस्त के साथ मोटरसाइकिल से पास के गांव में ही रहने वाली प्रेमिका से मिलने गए एक युवक की 4 लोगों ने लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई । पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी। सिरौली थाने के गांव मेन गोटिया निवासी 18 वर्षीय बादाम सिंह पुत्र कल्याण सिंह की बीती रात इलाज के लिए जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो गई जिला अस्पताल में मौजूद मृतक के भाई धर्मेंद्र ने बताया कि बादाम सिंह कल दिन में अपने खेत में काम कर रहा था इसी दौरान गांव का रहने वाला मान सिंह उसके पास पहुंचा और उसके बड़े भाई की मोटरसाइकिल मांगी मोटरसाइकिल मिलने के बाद वह बादाम सिंह को भी अपने साथ लेकर गणेश नगर गांव गया था धर्मेंद्र ने बताया कि मानसिंह किसी लड़की से मिलने के लिए गया था बादाम सिंह भी में उसके साथ था मोटरसाइकिल को मानसिंह चला रहा था वापस लौटते समय गणेश नगर के पास ही चार अज्ञात लोगों ने उनकी मोटरसाइकिल को घेर लिया और पीछे बैठे बादाम सिंह पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया वही मानसिंह मौका देखकर मोटरसाइकिल लेकर घर वापस लौट आया है इसी दौरान रास्ते से गुजर रहे किसी व्यक्ति ने बादाम सिंह को पहचान लिया और उसके घर वालों को सूचना दी अभिमान सिंह ने घटना की जानकारी बादाम सिंह के घर वालों को देती बताएं कि 4 लोगों ने उसको लोहे की रॉड से हमला किया था मौके पर पहुंचे घरवाले घायल बादाम सिंह को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाए लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो चुकी थी और अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया मृतक के घर वालों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी तब पुलिस ने मान सिंह से पूछताछ शुरू कर दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी मृतक छे भाइयों में छोटा था और गुलरिया गौरीशंकर महाविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष का छात्र था और ई रिक्शा चला कर गुजारा चलाता था ।

### मासूमों पर पागल कुत्ते ने किया जानलेवा हमला

**बरेली** । दुकान से सामान खरीदने के लिए घर से निकले दो मासूमों पर अचानक पागल कुत्ते ने हमला कर दिया जिससे दोनों घायल हो गए उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया । शाही थाने के गांव नौगवां बीथम निवासी प्रमोद कुमार की बेटी काव्या और बेटे अंकित को कल शाम इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से उन्हें जिला अस्पताल लाया गया प्रमोद कुमार ने बताया कि वह मजदूरी करके गुजारा कल चलाता है और कल शाम को मजदूरी करके घर वापस लौटा और उसके बच्चों ने उसे अपने खाने के लिए कुछ सामान खरीदने को पैसे मांगे पैसे लेकर दोनों बच्चे गांव के पास की एक दुकान पर जाने के लिए घर से निकले थे लेकिन रास्ते में ही अचानक एक कुत्ते ने दोनों पर हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए बेटी काव्या गंभीर रूप से घायल हो गई दोनों बच्चों के चीखने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे गांव वालों ने कुत्ते को भगा दिया घटना की सूचना मिलते ही पिता प्रमोद कुमार मौके पर पहुंचा और उन्हें इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले गया जहां से हालत नाजुक देखकर जिला अस्पताल लाया गया ।

### डॉक्टर के बंद मकान में लाखों की चोरी

**बरेली।** पिता का इलाज कराने के लिए मकान पर ताला डालकर गए एक डॉक्टर के मकान में दरवाजा तोड़कर घुसे चोरों ने लाखों का जेवर और नकदी चोरी कर लिये पुलिस ने चोरों को गिरफ्तार करने की कोशिश शुरू कर दी । इज्जत नगर थाना क्षेत्र की आशुतोष सिटी कॉलोनी निवासी डॉक्टर विशाल सिंह के घर में घुसे चोरों ने लाखों का जेवर और नकदी चोरी कर ली डॉक्टर विशाल सिंह ने बताया कि उनके पिता जोगेंद्र सिंह केसरपुर में मिठाई की दुकान चलाते हैं और उनका इलाज कराने के लिए उन्होंने नोएडा के मेदांता अस्पताल के एक डॉक्टर से शुक्रवार का अपॉइंटमेंट लिया था वह शुक्रवार को अपने पिता, मां और पत्नी के साथ डॉक्टर के पास गए थे और घर पर ताला डाल गए थे एक दिन पहले ही उन्होंने घर में सीसीटीवी कैमरे लगाए थे जो उनकी पत्नी के मोबाइल फोन से कनेक्ट है शुक्रवार को उन्होंने शाम के समय उसी फोन पर देखा कि उनके घर में कोई घुसा हुआ है फोन के माध्यम से उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दे दी और खुद शनिवार कोदेर रात घर वापस लौट आए उन्होंने जांच की तो पता चला कि चोर मकान का दरवाजा खोल कर अंदर घुसे थेऔर अलमारी व अन्य स्थानों पर रखे लगभग 10 तोले सोने चांदी के जेवर और 35000 रुपए नकद चोरी हो गए हैं सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर चोरों को गिरफ्तार करने की कोशिश शुरूकर दी ।

### सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

**बरेली** । रिश्तेदार के घर से लौट रहे एक बाइक सवार को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी उसकी मौके पर ही मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा बिशारतगंज थाना क्षेत्र के नंद गांव निवासी 35 वर्षीय अंतराल की बीती रात खटेटा गांव के पास हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई मृतक के भाई राजेंद्र ने बताया कि अंतराम मजदूरी करके गुजारा चलाता था और कल दिन में नौगवा के रहने वाले अपने एक रिश्तेदार से मिलने के लिए उसके घर गया था जहां से शाम को वह घर वापस लौटने के लिए मोटरसाइकिल से चला था लेकिन रास्ते में ही खटेटा गांव के पास उसकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई और टक्कर मारने वाला वाहन फरार हो गया स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के पास मिले मोबाइल फोन से उसके घरवालों को सूचना दी और शव को शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

# पुलिस विभाग में ट्रांसजेंडरों के प्रवेश का मामला...!

## हाईकोर्ट में 30 नवंबर को होगी सुनवाई

**महाराष्ट्र:** महाराष्ट्र प्रशासनिक न्यायाधिकरण ने सरकार को गृह विभाग के तहत पदों के लिए आवेदन पत्र में ट्रांसजेंडरों के लिए एक प्रावधान बनाने का निर्देश दिया था। लेकिन महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को इस आदेश को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया है। याचिका के बारे में मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति अभय आहूजा की खंडपीठ के सामने जानकारी दी गई। जिसमें न्यायाधिकरण के आदेश पर रोक लगाने के लिए तत्काल सुनवाई की मांग की गई थी। पीठ ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई 30 नवंबर को करेगी।

**यह है पूरा मामला**

पुलिस कांस्टेबल की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी होने के बाद ट्रांसजेंडर आर्य पुजारी ने ऑनलाइन आवेदन करने की कोशिश की। हालांकि आवेदन में केवल दो लिंग पुरुष और महिला का उल्लेख किया गया था और तीसरे लिंग का उल्लेख नहीं किया गया था, जिसके कारण पुजारी ऑनलाइन फॉर्म नहीं भर सके। इसके बाद एमएटी ने 14 नवंबर को राज्य सरकार को गृह विभाग के तहत सभी भर्तियों के लिए आवेदन पत्र में पुरुष और महिला के दो विकल्पों के बाद ट्रांसजेंडरों के लिए तीसरा विकल्प बनाने का निर्देश दिया था। दरअसल पुलिस कांस्टेबल बनने की इच्छा रखने वाले ट्रांसजेंडर आर्य पुजारी ने महाराष्ट्र प्रशासनिक ट्रिब्यूनल (एमएटी) से संपर्क किया था।

**हाईकोर्ट से ट्रिब्यूनल के आदेश को रद्द करने की मांग**

न्यायाधिकरण ने यह भी कहा था कि सरकार को ट्रांसजेंडरों के लिए शारीरिक मानकों और परीक्षणों के लिए एक मानदंड तय करना चाहिए। सरकार ने अपनी याचिका में दावा किया कि ट्रिब्यूनल के निर्देश को लागू करना ''बेहद मुश्किल'' था क्योंकि राज्य सरकार ने अभी तक ट्रांसजेंडरों की भर्ती के लिए विशेष प्रावधानों के संबंध में कोई नीति नहीं बनाई है। फॉर्म स्वीकार करने की समय सीमा पहले से ही 9/11/2022 से 30/11/2022 के बीच निर्धारित की गई है। याचिका में उच्च न्यायालय से ट्रिब्यूनल के आदेश को रद्द करने की मांग की गई थी क्योंकि यह अवैध और कानून में गलत था। याचिका में कहा गया है कि ट्रिब्यूनल इस बात पर विचार करने में विफल रहा कि प्रक्रिया एक ''जटिल कार्य और एक लंबी प्रक्रिया'' थी। ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में सरकार को अपने विज्ञापन में आवश्यक बदलाव करने और 23 नवंबर तक इसे अपनी वेबसाइट पर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था। 25 नवंबर को, राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्य प्रस्तुति अधिकारी एसपी मांचेकर द्वारा यह बताने के बाद कि सरकार अभी भी दिए गए रोजगार के लिए सार्वजनिक पदों पर ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए नीति का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में है, ट्रांसजेंडरों के रूपों की स्वीकृति के लिए एमएटी ने 8 दिसंबर तक का समय बढ़ा दिया।

# दिल्ली के स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी...!

### मौके पर पहुंचा बम निरोधक दस्ता

**दिल्ली :** दिल्ली के एक स्कूल में बम होने के संबंध में सूचना मिली है. दिल्ली के दक्षिण जिले के इंडियन पब्लिक स्कूल में बम होने के संबंध में एक ईमेल प्राप्त हुआ. इसके बाद वहां बम निरोधक दस्ता को भेज दिया गया. हालांकि इसे लेकर पुलिस अभी जांच और पुष्टि करने में जुट गई है. इस मामले को लेकर दक्षिणी दिल्ली के डीसीपी ने कहा कि इस ईमेल की जांच की जा रही है. उन्होंने कहा कि जिले की साइबर टीम इस मामले की जांच में जुटी है. शुरूआती जांच के आधार पर पुलिस को ऐसा लगा कि किसी शरारती ने ऐसा किया है. इस मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस छानबीन में जुट गई. दक्षिण दिल्ली के इंडियन पब्लिक स्कूल में बम होने की सूचना मिली है. पुलिस के अनुसार अभी इस पूरे मामले की जांच की जा रही है और इसके साथ ही स्कूल को जो ईमेल प्राप्त हुआ है उसकी पुष्टि की जा रही है.

बता दें कि पिछले महीने दिल्ली और फरीदाबाद रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी जिसके बाद पूरा पुलिस-प्रशासन महकमा हिल गया था. इस धमकी के बाद दोनों रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी को अलर्ट कर दिया गया था. इस मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए डाग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते की टीम को बुलाकर जांच शुरू कर दी थी. इस मामले में पुलिस ने बताया था कि दिल्ली कंट्रोल रूम में सुरेश नामक व्यक्ति ने फोन कर दिल्ली और फरीदाबाद रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी थी.

# कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद मामले में चंद्रकांत पाटिल और शंभुराजे देसाई 3 दिसंबर को करेंगे बेलगावी का दौरा...!

**मुंबई :** कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद मामले को लेकर बैठक हुई, जिसके बाद महाराष्ट्र के दो मंत्रियों- चंद्रकांत पाटिल और शंभुराज देसाई को कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा मुद्दे के लिए नियुक्त किया गया। दोनों मंत्री 03 दिसंबर को कर्नाटक के बेलगावी का दौरा करेंगे।

**लंबे समय से चल रहा सीमा विवाद**

दरअसल, महाराष्ट्र और कर्नाटक- इन दो राज्यों की सीमा पर स्थित बेलगाम जिला जिसे बेलगावी भी कहा जाता है। यह विवाद भारत के बड़े राज्यों के सीमा विवादों में से एक है। इस जिले में बड़ी आबादी मराठी और कन्नड़ भाषा बोलती है और लंबे वक्त से यह क्षेत्र इस विवाद का केंद्र रहा है। बता दें कि 1956 में जब इन दो राज्यों का पुनर्गठन किया गया था, तो कुछ जिले कर्नाटक के अंतर्गत आए। इसके पहले यह क्षेत्र बॉम्बे जो अब महाराष्ट्र है, उसके अंतर्गत आते थे। जब यह मामला बढ़ गया तो केंद्र सरकार ने इस मामले को सुल्जहने के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश मेहर चंद महाजन ने एक आयोग का गठन किया। यह मामला अभी तक सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और इसे लेकर इन दिनों विवाद और भी जयादा बढ़ गया है।

**कानूनी लड़ाई के लिए कर्नाटक तैयार- बोम्मई**

बता दें कि कुछ दिनों पहले इस मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा था कि महाराष्ट्र राज्य के सांगली की जट तहसील के कुछ गांव ने कर्नाटक में आने का निर्णय लिया है। सूखे के दिनों में कर्नाटक ने उन्हें पानी उपलब्ध कराया था। बोम्मई ने कहा था कि कर्नाटक सरकार महाराष्ट्र के कन्नड माध्यम स्कूलों में खास सहायता देने और कन्नड़ भाषियों को पेंशन देगी, जिन्होंने कर्नाटक में शामिल होने के लिए संघर्ष किया है। बोम्मई ने बीते कुछ दिनों पहले यह भी कहा था कि कर्नाटक सरकार इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है।

# मुंबई के इन 10 वार्डों में 24 घंटे पानी की कटौती...

### अंधेरी होगा सबसे ज्यादा प्रभावित

**मुंबई :** बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी ने पानी की कटौती को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। जिसके मुताबिक मुंबई के कई इलाको में 24 घंटे से अधिक समय तक के लिए पानी प्रभावित रहेगा। बता दें कि अपने अधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले 10 वार्डों के लिए 29 नवंबर से 30 नवंबर के बीच 24 घंटे के लिए पानी की आपूर्ति बंद करने की घोषणा इटउ ने की है।

**इसलिए होगी कटौती**

गौरतलब है कि शुक्रवार शाम को बीएमसी ने एक प्रेस बयान में कहा कि वह पवई और वेरावली जलाशय क्षेत्र में मरम्मत का कार्य करेगी। मरम्मत का यह काम 29 नवंबर को सुबह 8 बजकर 30 मिनट से और 30 नवंबर को सुबह 8 बजकर 30 मिनट से शुरू होना हैं। बता दें कि मरम्मत के कार्यों में पवई में 300 मिमी पाइपलाइनों के साथ-साथ भारी पानी के दबाव वाली 1800 मिमी की बड़ी पाइपलाइनों के मरम्मत का काम होगा।

**ये वार्ड होंगे सबसे ज्यादा प्रभावित**

दरअसल, पानी की कटौती को लेकर जो वार्ड सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे वो है ईस्ट वार्ड में अंधेरी ईस्ट, सीप्ज, जोगेश्वरी ईस्ट, एमआईडीसी समेत अन्य उपनगरों के कई प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। बता दें कि आपूर्ति कटौती से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले दो वार्ड ईस्ट और वेस्ट होंगे। बता दें कि 29 नवंबर को आजाद नगर, गुंदावली जैसे क्षेत्रों में भी पानी आपूर्ति में कटौती होगी। तो वहीं आनंद नगर और शेर-ए-पंजाब समेत कई क्षेत्रों में 30 नवंबर को पानी की आपूर्ति में कटौती होगी।

**ये वार्ड होंगे कम प्रभावित**

बता दें कि पानी की इस कटौती में जो कम प्रभावित होने वाले वार्ड है। उनमें घाटकोपर, कुर्ला , भांडुप और विक्रोली समेत कई वार्ड शामिल है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव ( पूर्व ),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com